

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - २

रविवार, ४ जुलाई, २०१०

समय : दोपहर २.०० से ५.००

कुल गुण : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ४

गुण शब्दोंमां
सेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कहीं भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. Answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “या तो वे भगवान नहि है, या फिर तुमने पहचानने में गलती की है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

२. “तुम्हारा और हमारा क्या कुछ अलग है ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

३. “यदि हम सिर्फ जीवों के गुनाहों की ओर देखते रहे तो किसी का भी मोक्ष न होता ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. श्रीजीमहाराज ने भगुजी को शौचालय में फानस रखने भेजा ।

२. बंधिया के जैन वणिक ने श्रीजीमहाराज की माफ़ी माँगी ।

३. शांतिबा ने पिटारे का आधा भाग श्रीजीमहाराज की सेवा में समर्पित करने का संकल्प किया ।

४. श्रीजीमहाराज ने रामबाई के पानी के घड़े में अपने चरण रखें ।

()

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : जेतलपुर की गणिका ।

१. श्रीजीमहाराज ने आशीर्वाद दिया की तुम्हारा मुक्तानंद स्वामी जैसा कल्याण होगा । २. इस पानी के घड़े में आप अपने चरण का स्पर्श कीजिए । ३. तुम उस पानी का क्या करोगी ? ४. सारी रात जागकर अपने हाथों से गेहूँ पीसकर श्रीजीमहाराज के पास पहुँच गई । ५. अपने हाथों से पीसोगी तो अवश्य देंगे । ६. गोपालानंद स्वामी के ये वचन सुनकर अग्नि प्रज्वलित हो गई । ७. आप धन्य हैं, जो महाराज की ऐसी महिमा समझती हो । ८. आप यह गेहूँ सभी को पीसने के लिए देते हो ? ९. जेतलपुर के अहिंसक यज्ञ में असंख्य ब्राह्मणों को भोजन देने के लिए श्रीजीमहाराज ने घर-घर डेढ़ दो मन गेहूँ पीसने के लिए दिए । १०. आज तो मेरे गाँव में पधारिए, मेरा घर पावन कीजिए ।

केवल नंबर -

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. वहाला तारु रूप अनुपम

..... रंगचोल छे रे लोल ॥ गुण : २

२. पंचरंगी पुष्पनां

..... सर्व कष्ट हरता ॥ गुण : २

३. पछी बोलिया

..... मानी वात ॥ गुण : २

४. समरुं प्रगट रूप

..... नेति कहे रे लोल ॥ गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ६)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री घनश्यामाय नमः :

.....

.....

..... ॐ श्री कालीभैरवाधतिभीषणाय नमः ॥

गुण : २	
---------	--

२. बाह्यान्त

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥

गुण : २	
---------	--

३. कामार्ततस्कर शरणं प्रपद्ये ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. "चट्टान के नीचे यदि अपना हाथ आ जाए तो उसे धीरे धीरे संभालकर निकालना चाहिए ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

२. "जिसने महाराज के दर्शन किए हो उसको याद आए ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

३. "हम तो शास्त्रों को ऊँचे लटका रखते हैं समझे !"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

५. गुणातीतानंद स्वामी ने ग्रंथियाँ मिटाने का वचन किसको दिया ?

गुण : १

६. सूर्य का अवतार कौन कहलाते थे ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।

(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. सेवा करे वही महंत ।

२. बेटी का बाप ! महाराज को क्यों पकड़ा है ? छोड़ दो ।

३. चिथड़ों में लपेटा हुआ रत्न ।

()

